पत्रकार–वार्ता

योगी कमलनाथ

प्रधान पुजारी
श्रीगोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर (उ0प्र0)

श्रीगोरक्षपीठ की गौरवशाली आध्यात्मिक–धार्मिक परम्परा को एक नई दिशा प्रदान करने वाले महान देशभक्त, अपराजेय धर्मयोद्धा, हिन्दुत्वनिष्ठ–राष्ट्रवादी राजनीति के वाहक, प्रातः स्मरणीय युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का विराट व्यक्तित्व आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। दोनो महन्त जी महाराज राष्ट्रवादी चरित्र एवं आध्यात्मिक चेतना से प्रदीप्त ऐसे सन्त थे जो अतीत, अनागत और वर्तमान सबको प्रत्यक्षवत् देखते थे। हिन्दू समाज के रक्षक थे। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उनकी स्मृतियाँ हमें नयी ऊर्जा देती है। युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर सप्तदिवसीय श्रद्धांजलि समारोह 04 **सितम्बर से 10 सिवम्बर, 2017** तक श्री गोरक्षनाथ मन्दिर में सम्पन्न होगा। पुण्यतिथि समारोह की सभी तैयारी पूरी की जा चुकी है।

उक्त बातें श्रीगोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर के **प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी** ने आज सप्तदिवसीय श्रद्धांजलि समारोह के सम्बन्ध में आयोजित पत्रकार–वार्ता में कही। सप्तदिवसीय श्रद्धांजलि समारोह के सम्बन्ध में आयोजित पत्रकार–वार्ता में योगी कमलनाथ जी ने कहा कि युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने धर्म, संस्कृति, शिक्षा, समाज एवं राष्ट्र के प्रायः सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बहुआयामी एवं लोक संग्रही व्यक्तित्व से अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज की थी। अनेक महत्वपूर्ण धार्मिक–आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर सड़क से संसद तक दोनो महन्त जी महाराज की ओजपूर्ण वाणी गूंजती रहती थी। 1920 से लेकर इक्वीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक तक देश की कोई भी राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक समस्या ऐसी नहीं थी जिस पर क्रमशः दोनो ब्रह्मलीन महाराज जी की प्रभावपूर्ण उपस्थिति दर्ज न हुई हो। देश में वे आध्यात्मिक–सामाजिक पुनर्जागरण के अग्रदूत के रूप में प्रतिष्ठित हुये तो पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के अग्रदूत बनकर उभरे। युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज यद्यपि अपने पार्थिक रूप में आज हमारे बीच नहीं है तथापि उनका कृतित्व आज भी प्रकाश स्तम्भ की तरह राष्ट्र जीवन के राजपथ पर हमारे मार्गदर्शन के लिए विद्यमान है।

दोनो ब्रह्मलीन महन्त जी महाराज भारत के राष्ट्रीय जीवन की मुख्यधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली हिन्दू जीवन पद्धति से अनुप्रेरित समाज को एक समरस, सुघटित और सुदृढ़ समाज के रूप में देखना चाहते थे। उनके सपनों के समर्थ भारत के पुनर्निमाण एवं हिन्दू समाज के पुनर्जागरण हेतु हम भी उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिवर्ष समारोहपूर्वक आयोजन के माध्यम से प्रेरणा ग्रहण करते हैं और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं सामाजिक मुद्दों पर ब्रह्मलीन दोनों महन्त जी महाराज के कृतित्व एवं व्यक्तित्व के आलोक में समाज में

...2...

जन–जागरण करते हैं। इस वर्ष भी दिनांक 04 सितम्बर से 10 सितम्बर, 2017 तक सप्तदिवसीय श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जा रहा हैं जिसमें देश के अनेक सन्त, महात्मा, धर्माचार्य, विद्वत्जन, समाजसेवी एवं भारत सरकार के मंत्रीगण भाग लेंगे।

इस वर्ष के सप्तदिवसीय समारोह में **04 सितम्बर को 'भारत की सनातन संस्कृति में राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद', 05 सितम्बर को 'संस्कृत एवं संस्कृति सम्मेलन', 06 सितम्बर को 'सामाजिक समरसता भारतीय संस्कृति का प्राण है', 07 सितम्बर को 'भारतीय संस्कृति में गो–सेवा का महत्व', 08 सितम्बर को 'शिक्षा और स्वास्थ्य : सेवा भी–धर्म भी'** आदि विषयों पर प्रतिदिन पूर्वाह्न 10.30 बजे से गोरखनाथ मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में सम्मेलन आयोजित होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में 04 सितम्बर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुनील अम्बेकर, 05 सितम्बर को राज्य सभा के पूर्व सदस्य श्री तरूण विजय, 06 सितम्बर को **शिक्षा बचाओ आन्दोलन** के श्री अतुल भाई कोठारी, 07 सितम्बर को उ0प्र0 गो–सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री राजीव गुप्ता, 08 सितम्बर को उ0प्र0 के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी होंगे। इन सम्मेलनों में जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द जी सरस्वती, आचार्य धर्मेन्द जी, स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज, स्वामी गोपाल जी, महन्त सुरेशदास जी (अयोध्या), डॉ0 रामबेलासदास वेदान्ती जी (अयोध्या), महन्त सुरेन्द्रनाथ जी (नई दिल्ली), स्वामी विद्या चैतन्य (नैमिषारण्य), स्वामी गोपाल जी (प्रयाग), स्वामी हरिनारायणनन्द जी (पटना), श्यामदास जी महाराज (जबलपुर), स्वामी विद्या चैतन्य (नैमिषारण्य), महन्त शान्तीनाथ (हरिद्वार), जगत गुरू रामानुजाचार्य स्वामी पुरूषोत्माचार्य जी महाराज (अयोध्या), जगत गुरू रामानन्दाचार्य स्वामी हंसदेवाचार्य जी महाराज, महन्त नृत्यगोपालदास जी महाराज (अयोध्या), ब्रह्मचारी दासलाल जी महराज (आगरा), महन्त राममिलनदास (अयोध्या), योगी मिथलेशनाथ जी, महन्त प्रेमदास जी एवं महन्त रवीन्द्रदास जी, महन्त पंचाननपुरी जी सहित देश भर के प्रतिष्ठि साधु–सन्त सम्मिलित होंगे। 09 सितम्बर को पूर्वाह्न 10.30 बजे से युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न होगी जिसमें उ0प्र0 के विधानसभा अध्यक्ष श्री हृदयनारायण दीक्षित जी मुख्य वक्ता होंगे। 10 सितम्बर को ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा होगी। **साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह का उद्घाटन एवं समापन समारोह गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा।**

योगी कमलनाथ जी ने कहा कि साप्ताहिक समारोह के अन्तर्गत ही दिनांक 03 से 09 सितम्बर तक प्रतिदिन अपराह्न 3.00 बजे से अयोध्या, फैजाबाद से पधारे प्रतिष्ठित कथावाचक **अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरू रामानन्दाचार्य स्वामी रामानन्द दास जी महाराज** द्वारा **'श्रीराम–कथा ज्ञान–यज्ञ'** की अमृत वर्षा होंगी। **03सितम्बर को अपराह्न 3.00 बजे श्रीराम–कथा ज्ञान–यज्ञ का उद्घाटन गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा व्यासपीठ के समक्ष महायोगी गोरखनाथ की अखण्ड ज्योति की प्रतिष्ठा के साथ होगा।** इससे पूर्व अपराह्न 2.30 बजे अखण्ड ज्योति तथा श्रीराम कथा की शोभा–यात्रा श्रीगोरखनाथ मन्दिर से दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के लिए प्रस्थान करेंगी। इन सभी आयोजनों में श्रीगोरखनाथ मन्दिर के भक्तगण, श्रद्धालुगण एवं प्रबुद्धजन सहित सभी सम्मानित नागरिक सादर आमंत्रित है।

कथा सुनने वाले श्रद्धालुओं के लिये श्री गोरखनाथ मन्दिर की ओर से प्रतिदिन निःशुल्क बस सेवा लाने–ले जाने हेतु विभिन्न स्थानों से अपराह्न 2.00 बजे से निम्न रास्तों पर उपलब्ध होगी। अतः जो भी श्रद्धालुगण निःशुल्क बस सेवा की सुविधा लेना चाहते है वे समय से उपस्थित होकर सेवा ले सकते है। 1. **लालडिग्गी पार्क–बाबा चैन सिंह मन्दिर–इलाहीबाग–सूर्यकुण्ड ओवरब्रिज–रामलीला मैदान–अधियारीबाग होते हुये श्रीगोरखनाथ मन्दिर, 2. मुन्शी प्रेमचन्द्र पार्क–टी0डी0एम0चौराहा–रीड्स साहब धर्मशाला–शास्त्रीचौक–गोलघर–धर्मशाला होते हुये श्री गोरखनाथ मन्दिर, 3. इन्जिनियमरिंग कालेज–गिरधरगंज–छात्रसंघ चौराहा–विश्वविद्यालय चौराहा– रेलवे स्टेशन महाराणा प्रताप तिराहा होते हुये श्रीगोरखनाथ मन्दिर 4. गीता गार्डेन–धर्मपुर तिराहा–पादरीबाजार पुलिस चौकी–खजांची चौराहा–स्पोट्स कालेज–राणी सती मन्दिर–जंगल नकहा ओवरब्रिज–रामनगर चौराहा होते हुये श्री गोरखनाथ मन्दिर और 5. महेसरा – बरगदवा–राजेन्द्रनगर होते हुये श्रीगोरखनाथ मन्दिर।**